मुंबई में पश्चिम रेलवे वार्षिक ऑफिसर्स स्पोर्ट्स मीट का आयोजन

39 वीं पश्चिम रेलवे वार्षिक ऑफिसर्स स्पोर्ट्स मीट के अंतर्गत पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री जी. सी. अग्रवाल एवं पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सविता अग्रवाल 'रन फॉर फन' का उद्घाटन करते हुए तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए।

हाल ही में मुंबई में 39 वें पश्चिम रेलवे वार्षिक ऑफिसर्स स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया। 10 फरवरी, 2017 को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री जी. सी. अग्रवाल एवं पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सविता अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से इस मीट का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के प्रधान विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। 10 फरवरी से 12 फरवरी, 2017 तक आयोजित 3 दिवसीय महोत्सव में प्रधान कार्यालय और सभी 6 मंडलों के लगभग 300 प्रतिभागियों ने खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। महिला अधिकारियों के लिए पहली बार टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज एवं तैराकी श्रेणी में प्रतिस्पर्धाएँ आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त बैडमिंटन, टेबल टेनिस, स्क्वैश, कैरम, शतरंज, तैराकी एवं सॉफ्ट बॉल क्रिकेट प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एकल एवं सामूहिक नृत्य, गायन तथा वाद्य यंत्र बजाने जैसे कौशल का प्रदर्शन किया गया। 12 फरवरी को रन फॉर फन आयोजित की गई, जिनमें कई उत्साही प्रतिभागियों ने एनसीपीए, नरीमन पॉइंट से चर्नी रोड तक 3.5 कि.मी. की दौड़ में भाग लिया। महिलाओं के लिए इस मीट में पुष्प आभूषण बनाना, आकर्षक पुष्प सज्जा, रंगोली तथा अलता या महावर लगाने जैसे कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस मीट का सफल आयोजन आयोजक सचिव श्री रजनीश तोमर के नेतृत्व में किया गया। 12 फरवरी, 2017 को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें खेलकूद के विजेताओं को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री जी. सी. अग्रवाल द्वारा जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों को पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती सविता अग्रवाल द्वारा पुरस्कार वितरित किये गये।

चुनाव सुधार की कठिन डगर

जब भी चुनाव होता है तो चुनाव सुधार पर भी बहस होती है। एक बार फिर चुनाव सुधार को लेकर बातचीत हो रही है। चुनाव सुधार को लेकर चुनाव आयोग ने जितने कदम उठाए हैं उनकी सफलता-विफलता पर भी बात हो रही है। पंजाब और गोवा में चुनाव हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश में कई चरणों में हो रहे हैं। लेकिन पंजाब चुनाव संपन्न होते ही चुनाव आयोग द्वारा उठाए गए कदमों की सफलता-विफलता पर बहस हो रही है। आयोग के सामने कुछ शिकायतें भी आई हैं। चुनाव सुधार को लेकर उठाए गए कदमों की सफलता पर सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं के बीच पैसे भी बांटे गए और शराब भी। पंजाब में मतदान की तिथि से दो दिन पहले पैसे और शराब की आवाजाही खुल कर हुई और आयोग की सुरक्षा की सारी पोल खुल गई। शहरी क्षेत्रों के गरीब मतदाताओं के बीच दाल, आटा, चावल दिए गए। आयोग को समय पर सूचना भी मिली, लेकिन वह कार्रवाई में विफल रहा। जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए चुनाव प्रणाली में सुधार की बात पिछले कई सालों से हो रही है।

चुनाव प्रणाली में उन बदलावों को चुनाव सुधार कहते हैं जो चुनाव को पारदर्शी बनाएं, चुनाव को धन-बल से प्रभावित होने से रोकें, यह सुनिश्चित करें कि विधायिका में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों का प्रवेश न होने पाए। इसमें निष्पक्ष चुनाव से लेकर चुनावों में आधुनिक तकनीक का उपयोग भी शामिल है। वैसे तो चुनाव सुधार में कई आदर्श तरीकों को स्थापित करने की बात की गई है, लेकिन इसके लिए देश के राजनीतिक दल दिल से तैयार नहीं हैं। यही कारण है कि दिनेश गोस्वामी समिति समेत चुनाव सुधार को लेकर समय-समय पर बनी अनेक समितियों की सिफारिशों पर अमल हमेशा टलता रहा है। चुनाव सुधार का अहम हिस्सा चुनावी आचार संहिता का कड़ाई से पालन है। चोरी-छिपे शराब और पैसे बांट कर वोट जुटाने पर रोक लगाना इस संहिता के तहत एक प्रमुख तकाजा है। आयोग इस क्षेत्र में लगातार सफलता की बात कर रहा है। पर जमीनी सच्चाई कुछ और है। चुनावों में न तो धन-बल पर रोक लग पा रही है न ही शराब-वितरण पर। राजनीतिक दल ऐसे किसी भी राजनीतिक कार्यकर्ता को टिकट देने को तैयार नहीं हैं जो करोड़पति न हो। वैसे में चुनाव सुधार का यह दावा यहीं पर फुस्स हो जाता है। बेशक चुनाव आयोग तमाम दावे करे, लेकिन चुनावों में पैसे भी बंट रहे हैं और शराब भी। पंजाब इसका उदाहरण है। पंजाब में 4 फरवरी को मतदान हुआ।

बेहद में हुई अजय आर्य की एंट्री!

बेहद को अपनी दिलचस्प कहानी और नाटकीय प्रेम कथा के लिये अपने दर्शकों का काफी प्यार मिल रहा है। इस शो का शादी का सीक्वेंस लोगों द्वारा बेहद पसंद किया गया, जोकि ट्विस्ट से भरपूर रहा है। यह शादी पारंपरिक भारतीय विवाह के आनंद से भरपूर थी, लेकिन इसमें कुछ सस्पेंस एवं साजिश भी देखी गई।

ग्रैंड फिनाले वह आखिरी कसम थी, जो माया ने अर्जुन के साथ ली, लेकिन माया को कोई भी चीज आसानी से नहीं मिली है। वह भारतीय दुल्हन के रूप में जैसे ही अर्जुन के साथ अपनी शादी के रीति-रिवाजों को शुरू करने के लिये मंडप पर बैठती है, उसके पिता अश्विन की लाश ऊपर से गिरती है और उसे खून के छींटों से रंग देती है।

इस नाटकीय मोड़ के साथ शादी के मंडप पर आग भी लग जाती है। इसी समय शो में अजय आर्य की एंट्री होगी। वह एक पुलिसकर्मी की भूमिका निभा रहे हैं, जो इस हत्या की जांच-पड़ताल कर रहे हैं और साथ ही आग लगने के पीछे के कारणों की छान-बीन भी करेंगे। यह नया ट्विस्ट निश्चित रूप से इस शो को और अधिक रोमांचक बनायेगा और दर्शकों को कहानी से बांधकर रखेगा। (19-10)

भारत और क्रोएशिया के बीच आर्थिक सहयोग के लिए करार

भारत और क्रोएशिया के बीच आर्थिक सहयोग के समझौते लिए भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण और क्रोएशिया के उप-प्रधानमंत्री एवं अर्थव्यवस्था मंत्री मिस मार्टिना डेलिक के बीच 14 फरवरी 2017 को क्रोएशिया के जगरेब में करार पर हस्ताक्षर किए गए।

द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंधों को विकसित करने एवं बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत और क्रोएशिया ने सितंबर 1994 में ही व्यापार और आर्थिक सहयोग के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। भारत और क्रोएशिया के बीच वर्तमान समझौते इसी निरंतरता को आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम है जो नवंबर 2009 में समाप्त हो गया था। भारत और क्रोएशिया के बीच वित्त वर्ष 2013-14, 2014-15 तथा 2015-16 में द्विपक्षीय व्यापार क्रमशः 148.86 मिलियन डॉलर, 205.04 मिलियन डॉलर तथा 148.44 मिलियन डॉलर रहा था।

संपादक-चुनीलाल एस. भट्ट, मुद्रक एवं प्रकाशक-मयुर सी. भट्ट, प्रकाशन स्थल-201, 202, 208 नंदन कोम्पलेक्ष, मीठाखली, अहमदाबाद-6. मालिक-कल्याणी पब्लिकेशन प्रा.लि. द्वारा महादेव ऑफसेट, बी-4, रवि एस्टेट, रूस्तम मिल कम्पाउंड, दूधेश्वर, अहमदाबाद में छपवाकर प्रकाशित किया। फोन-26568477, 26409779. E : alpaviram1@yahoo.com

शाओमी ने रेडमी नोट 4 लॉन्च किया कीमत 9,999 रूपये से शुरू

अहमदाबाद, अग्रणी स्मार्टफोन कंपनी शाओमी ने आज अहमदाबाद में रेडमी नोट 4 का अनावरण किया। यह स्मार्टफोन क्वालकॉम® स्नैपड्रैगन™ 625 प्रोसेसर से सुसज्जित है। इस स्मार्टफोन ने दूसरे सभी बाजारों से पहले भारत में अपना वर्ल्ड डेब्यू किया है।

रेडमी नोट 4 की कीमत 9,999 रूपये से शुरू है और यह अपने पूर्ववर्ती प्रशंसित रेडमी नोट 3 का एक बेहतरीन तरीके से डिजाइन किया गया सक्सेसर है। रेडमी नोट 3 आइडीसी के अनुसार किसी भी दी गई तिमाही में भारत के ऑनलाइन बाजार के इतिहास में सबसे अधिक खरीदा गया स्मार्टफोन था। शाओमी ने आज घोषणा की कि उसने भारत में रेडमी नोट 3 की 3.6 मिलियन से अधिक यूनिट्स की शिपिंग की है।

नये लॉन्च किये गये रेडमी नोट 4 में खूबसूरत एनोडाइज्ड हाई-ग्लॉस एल्युमिनियम लाइंस एवं सिमेट्रिक डिजाइन के साथ एक प्रीमियम मेटल बॉडी दी गई है। यह रेडमी का पहला स्मार्टफोन है जिसमें सामने की ओर टेपर्ड एज के साथ 2.5 डी कव्र्ड ग्लास की खूबी है और इस तरह यह डिवाइस पकड़ने में काफी सहज है। क्लासिक डार्क ग्रे एवं गोल्डन रंगों के अलावा, रेडमी नोट 4 ब्लैक में भी उपलब्ध होगा- नई स्लीक मैट ब्लैक फिनिश सभी को आकर्षित करेगी। (8)

रेडिसन उदयपुर को वर्ष 2016 के लिए बेस्ट बिजनेस होटेल अवार्ड

अहमदाबाद: एन्युअल एस्टेट अवार्ड्स के समारोह में रेडिशन उदयपुर को वर्ष 2016 के लिए बेस्ट बिजनेस होटेल अवार्ड से सम्मानित किया गया हैं । फ्रेन्चाइजी इंडिया और इटी नाउ द्वारा एन्युअल एस्टेट अवार्ड्स आयोजित किया गया था। बीजेपी के दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी के हाथों रडिशन उदयपुर के जनरल मैनेजर रिचार्ड बरुआ ने अवार्ड स्वीकार किया ।

इस अवसर पर बरुआ ने बताया कि ऐसा प्रतिष्ठित अवार्ड प्राप्त कर हम गौरव का अनुभव कर रहे हैं। इस अवार्ड से हम काफी प्रोत्साहित हुए हैं। इस कार्यक्रम में पहलीबार होटल्स और रिसोर्ट्स को शामिल किया गया था। रेडिशन उदयपुर तालाबों का शहर उदयपुर के मध्य विस्तार में स्थित बिजनेस होटल हैं , होटेल लेकसिटी मॉल में स्थित हैं । आधुनिक प्रवासियों के लिए अत्याधउनिक सुविधा युक्त रेडिशन उदयपुर में काफी आकर्षण हैं । होटल के तमाम कमरें में वर्कस्टेशन , कोर्डलेस फोन , एलईडी सेटेलाइट टेलिविजन , कॉफी मेकर , इलेक्ट्रोनिक सेफ और डोव सुविधाएं है। (22-1)

प्रदूषण की भेंट चढ़ता जीवन

सर्वोच्च न्यायालय ने देश की राजधानी दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर एक बार फिर सरकार से जवाब तलब किया है। न्यायालय ने अपनी टिप्पणी में कहा है कि दिल्ली में प्रतिदिन औसतन आठ लोग वायु प्रदूषण जनित बीमारियों से मरते हैं। इसके अलावा न्यायालय ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों तथा सरकारों से भी प्रदूषण की रोकथाम को लेकर पूर्ण कार्य-योजना पेश करने को कहा है। न्यायालय ने फर्नेस ऑयल आदि के दहन पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश भी सरकार को दिया है। अब न्यायालय की इन बातों को कितनी गंभीरता से लिया जाता है, यह तो बाद में पता चलेगा, लेकिन यह वास्तविकता है कि न केवल दिल्ली बल्कि पूरे देश में प्रदूषण बेहद विकराल रूप ले चुका है। इस संदर्भ में हाल ही में आई देश के चौबीस राज्यों के 168 शहरों की स्थिति पर आधारित ग्रीनपीस इंडिया की रिपोर्ट का जिक्र प्रासंगिक है, जिसके अनुसार देश में प्रतिवर्ष प्रदूषणजनित बीमारियों से बारह लाख लोगों के मरने की बात कही गई है। यह भी उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के प्रत्येक दस में से नौ व्यक्ति प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं और वायु प्रदूषण से होने वाली हर तीन में से दो मौतें भारत तथा दक्षिण-पूर्व एशिया में होती हैं। समझा जा सकता है कि भारत में वायु प्रदूषण किस खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

बीते वर्ष केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा देश के इक्कीस चुनिंदा शहरों की वायु गुणवत्ता पर एक रिपोर्ट जारी की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, उन इक्कीस में से महज एक शहर पंचकूला में वायु गुणवत्ता का स्तर संतोषजनक है। इसके अतिरिक्त मुंबई और पश्चिम बंगाल के शहर हल्दिया में भी वायु की गुणवत्ता कुछ ठीक है, लेकिन शेष सभी शहरों की हवा का स्तर मध्यम और खराब से लेकर बहुत खराब तक पाया गया। इनमें मुजफ्फरपुर, लखनऊ, दिल्ली, वाराणसी, पटना, फरीदाबाद, कानपुर, आगरा आदि शहरों का प्रदूषण-स्तर बहुत खराब पाया गया। इन शहरों में तब दिल्ली तीसरा सबसे अधिक प्रदूषित शहर पाया गया था। पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर द्वारा राज्यसभा में जारी एक आंकड़े के मुताबिक दिल्ली में वायु प्रदूषण जनित बीमारियों से प्रतिदिन लगभग अस्सी लोगों की मौत होती है। नासा सैटेलाइट द्वारा इकट्ठा किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली में पीएम-25 जैसे छोटे कण की मात्रा बेहद अधिक है। औद्योगिक इकाइयों और वाहनों द्वारा उत्सर्जित धुएं से हवा में पीएम-25 कणों की बढ़ती मात्रा घनी धुंध का कारण बन रही है। इसी कारण दिल्ली दुनिया के दस सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में शामिल है। देश के अन्य महानगरों की भी कमोबेश यही स्थिति है।

अमेरिका के येल विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के मुताबिक पर्यावरण सूचकांक (एनवॉर्नमेंट परफॉर्मेंस इंडेक्स) में 178 देशों में भारत का स्थान 32 अंक गिर कर 155वां हो गया है। वायु प्रदूषण के मामले में भारत की स्थिति ब्रिक्स देशों में सबसे खराब है। अध्ययन के मुताबिक प्रदूषण के मामले में भारत की तुलना में पाकिस्तान, नेपाल, चीन और श्रीलंका की स्थिति बेहतर है जिनका इस सूचकांक में स्थान क्रमशः 148वां, 139वां, 118वां और 69वां है। यह सूची जिन नौ प्रदूषण कारकों के आधार पर तैयार की गई है, उनमें वायु प्रदूषण भी शामिल है। वायु प्रदूषण के कारण देश में प्रतिवर्ष लगभग छह लाख लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है। उपर्युक्त आंकड़ों के संबंध में यह तर्क दिया जा सकता है कि पाकिस्तान, श्रीलंका आदि देशों की जनसंख्या, औद्योगिक प्रगति और वाहनों की तादाद भारत की अपेक्षा बेहद कम है, इसलिए वहां वायु प्रदूषण का स्तर नीचे है। लेकिन इस तर्क पर सवाल यह उठता है कि स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया, सिंगापुर आदि देशों ने क्या औद्योगिक प्रगति नहीं की है, या उनके यहां वाहन नहीं हैं? वे तो दुनिया के सर्वाधिक वातानुकूलित देशों में शुमार हैं। दरअसल, अगर प्रगति और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित किया जाए तो न केवल वायु प्रदूषण बल्कि हर तरह के प्रदूषण से निपटा जा सकता है। पर इस संतुलन के लिए कानूनी स्तर से लेकर जमीनी स्तर पर तक मुस्तैदी दिखानी पड़ती है, जिस मामले में हमारा देश काफी पीछे है। प्रदूषण को लेकर हमारे हुक्मरानों की उदासीनता इसी से समझी जा सकती है कि देश का कोई भी राजनीतिक दल अपने घोषणापत्र में प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित कोई वादा नहीं करता। ऐसे किसी वादे से इसलिए परहेज नहीं किया जाता कि प्रदूषण नियंत्रण कठिन कार्य है, क्योंकि इससे कठिन-कठिन वादे हमारे हुक्मरानों द्वारा कर दिए जाते हैं। लेकिन वे प्रदूषण नियंत्रण जैसे वादे से सिर्फ इसलिए परहेज करते हैं कि उनकी नजर में यह कोई मुद्दा नहीं होता।

देश में वायु प्रदूषण के लिए दो सर्वाधिक जिम्मेवार कारक हैं। एक, डीजल-पेट्रोल चालित मोटर वाहन, और दूसरा, औद्योगिक इकाइयां। वाहनों में प्रयुक्त पेट्रोल-डीजल के दहन के फलस्वरूप कई वायुप्रदूषकों की उत्पत्ति होती है, जैसे कार्बन मोनो आक्साइड, नाइट्रोजन व सल्फर के आक्साइड, धुआं, सीसा आदि। एक स्वचालित वाहन द्वारा एक गैलन पेट्रोल के दहन से लगभग 5720 लाख घनफीट वायु प्रदूषित होती है। विश्व के सभी देशों में वाहनों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है और उससे उत्पन्न परिणाम समय-समय पर परिलक्षित हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार, तैंतीस प्रतिशत वायु प्रदूषण वाहनों से निकलने वाले धुएं के कारण होता है। फिर भी, मोटर वाहनों में तो कुछ हद तक ईंधन संबंधी ऐसे बदलाव हुए हैं, जिससे उनसे होने वाले प्रदूषण में कमी आए। सीएनजी वाहन, बैटरी चालित वाहन आदि ऐसे ही कुछेक बदलावों के उदाहरण हैं। लेकिन औद्योगिक इकाइयों पर नियंत्रण के लिए कुछ ठोस नहीं किया जा रहा, जबकि उनसे सिर्फ वायु नहीं, जल में भी प्रदूषण फैल रहा है, मिट्टी भी प्रदूषित हो रही है। दिल्ली और उससे सटे एनसीआर इलाकों में, जहां औद्योगिक इकाइयों की भरमार है, यह धुआं स्थायी धुंध का रूप लेता जा रहा है। आलम यह है कि धुंध के मामले में दिल्ली ने बेजिंग को भी पीछे छोड़ दिया है। इन औद्योगिक इकाइयों पर नियंत्रण के लिए एक सख्त कानून की जरूरत है जिसकी फिलहाल कोई उम्मीद नहीं दिखती।

एक तरफ तो इन औद्योगिक इकाइयों व वाहनों की भरमार से वायु प्रदूषण बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ दिन-ब-दिन पेड़-पौधों में जिस तरह से कमी आ रही है, उससे स्थिति और विकट होती जा रही है। देश औद्योगिक प्रगति के अंधोत्साह में उलझा हुआ है। दोष सिर्फ सरकारों का नहीं है, जाने-अनजाने नागरिक भी इसके लिए बराबर के जिम्मेवार हैं। लोग जरा-जरा सी चीज के लिए उन वैज्ञानिक उपकरणों पर निर्भर हो गए हैं जिनसे वायु प्रदूषण और गहराता है। वाहन, बिजली उपकरण, कागज, सौंदर्य प्रसाधन आदि तमाम चीजें हैं जिन पर लोगों की आवश्यकता से अधिक निर्भरता हो गई है जो कि प्राकृतिक विनाश और प्रदूषणमें महती भूमिका निभा रही है। जैविक ईंधनों के दहन के फलस्वरूप विभिन्न विषैली गैसों का निर्माण होता है, जो कि वायुमंडल को प्रदूषित करती हैं। तमाम घरों में रेफ्रिजरेटर, एअर कंडीशनरों का प्रयोग एक सामान्य-सी बात है। इन विद्युत-चालित उपकरणों से निकलने वाली क्लोरो-फ्लोरो कार्बन गैस (सीएफसी) वायुमंडल में उपस्थित ओजोन परत को नुकसान पहुंचाती है। उपर्युक्त सभी बातों को देखते हुए यह जरूरी है कि सरकार और नागरिक दोनों इस संबंध में चेत जाएं और वायु को जीवन के अनुकूल रखने के लिए सचेष्ट हों। प्रगति तभी होगी जब हम जिएंगे और हम जिएंगे तभी, जब धरती पर और सांस लेने लायक वायु होगी।

महिन्द्रा ने भारतीय ट्रकिंग उद्योग में अनूठे सर्विस सपोर्ट की पेशकश की

मुंबई, महिन्द्रा ट्रक एंड बस डिविजन (एमटीबीडी), 17.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर के महिन्द्रा समूह के अंग, ने आज दिल्ली-मुंबई सर्विस कॉरिडोर के सफलतम क्रियान्वयन के साथ भारतीय ट्रकिंग उद्योग के लिए अपनी तरह की अनूठी सर्विस सपोर्ट पहल शुरू करने की घोषणा की है। ग्राहकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता कोनई ऊंचाई पर ले जाते हुये, एमटीबीडी ने इस पहल को शुरू किया है ताकि दिल्ली और मुंबई को जोड़ने वाले इस मार्ग पर हर 60 किलोमीटर पर अपने सभी ग्राहकों तक भरोसेमंद एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाओं को सुलभ कराया जा सके। इसके अलावा, कंपनी ने यह भी वादा किया है कि यह दिल्ली-मुंबई सर्विस कॉरिडोर पर दो घंटों के भीतर सर्विस सपोर्ट मुहैया करायेगी।

सर्विस कॉरिडोर पर स्थित सर्विस सेंटर्स में इमरजेंसी रिपेयर्स, पार्ट रिप्लेसमेंट और वाहनों के स्वास्थ्य की जांच के काम किये जायेंगे। ये सेंटर्स ग्राहकों से समूचे मार्ग पर महिन्द्रा की सर्विस उपलब्धता का वादा करते हैं। एमटीबीडी जल्द ही सर्विस कॉरिडोर में सर्विस प्वाइंट्स पर उपलब्ध कराई जाने वाली सभी सुविधाओं के बारे में अपने ग्राहकों को शिक्षित करने एवं उन्हें जागरुक बनाने के लिए एक अभियान शुरू करेगा।

एमटीबीडी के देशभर में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर 7 एमपाट्र्स प्लाजा भी हैं जिनकी संख्या वित्त वर्ष 2018 में बढ़ाकर 26 करने की योजना है। (1)

अहमदाबाद में बीमारियों की रोकथाम वाली सोच मज़बूत हुई

अहमदाबाद, अहमदाबाद की यूवा आबादी अस्वस्थय जीवनशैली से होने वाली बीमारियों के बारे में जागरूक हो रही है और उनकी रोकथाम और जल्दी जांच के लिए डॉक्टरों से सलाह लेने के लिए जा रहे हैं जिसका भारतीय स्वास्थय सेवा प्रणाली पर गहरा असर होगा। यह जानकारी लाईब्रेट हैल्थ स्केप इंडिया 2016 में सामने आई है।

59 प्रतिशत लोग अस्वस्थ जीवनशैली से पैदा होने वाली समस्याओं के इलाज या रोकथाम के बारे मे चर्चा करते हैं जिनमें से ज़्यादा तर 25 से 45 साल के यूवा हैं। भारत के पहले सबसे बड़े ऑनलाईन डॉक्टर कंसल्टेशन प्लेटफार्म लाईब्रेट की रिपोर्ट के मुताबिक वह डॉक्टरों से जानना चाहते हैं कि जीवनशैली की बीमारियों को आने से कैसे रोके और उनकी शुरूआत को कैसे टालें।

यह आंकड़े 1 जनवरी 2016 से शुरू होकर 12 महीने के दौरानए शहर के डॉक्टरों और मरीज़ों के बीच लाइब्रेट के प्लेटफाम पर हुए 10.6 लाख इंटरेक्शन्स का अध्ययन करने के बाद जिसमें लैब टैस्ट भी शामिल है जारी किए गए हैं।

जिन सात प्रमुख जीवन शैली समस्याओ सेयुवा पीड़ी चिंतित हैं उन मे दिल के रोग, डायब्टीज़, हाईपरटैंशन और कैंसर शामिल है।

2015 की तुलना में शहर म दिल के रोगों के बारे में जानकारी लेने में 230 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है, उसके बाद डायब्टीज़ 210 प्रतिशत, मोटापा 200 प्रतिशत, हाईपटैंशन 198 प्रतिशत, कैंसर 170 प्रतिशत, सीओपीडी 150 प्रतिशत और विटामिन-मिनरल की कमी के बारे में 130 प्रतिशत ज़्यादा जानकारी ली जा रही है। ज़्यादा तर इंटरेक्शन्स रोकथाम के बारे में हैं, लेकिन पहले से पीड़ित लोगों द्वारा इलाज के बारे में जानकारी लेने की दर में भी काफ़ी वृद्धि हुई है। (19-10)

उप-राष्ट्रपति ने इसरो को 104 उपग्रहों के सफल प्रक्षेपण पर बधाई दी

उप-राष्ट्रपति श्री एम हामिद अंसारी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को पीएसएलवी-सी 37 और एक ही बार में 104 अन्य उपग्रहों को कक्षा में सफलतापूर्वक प्रक्षेपित करने पर बधाई दी है।उन्होंने कहा कि इस प्रक्षेपण से अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में एक अलग आयाम देखने को मिला है।

उप-राष्ट्रपति के संदेश का मूल पाठ निम्नलिखित है मैं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीशियनों को पीएसएलवी-ष्ट37 रॉकेट तथा कार्टोसेट 2 सीरीज के सात देशों के 104 उपग्रहों को उनके नामित कक्षाओं में भेजने में सफलता प्राप्त करने के लिए बधाई देता हूं। एक ही साथ 104 उपग्रहों को प्रक्षेपित कर इसरो ने इतिहास रच दिया है। इस प्रक्षेपण ने फिर से अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत की क्षमताओं को दर्शाया है और अंतरिक्ष की खोज को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के लिए हमारे प्रयासों को रेखांकित किया गया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे

सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा सूचना
भण्डार विभाग ई-प्रोक्योरमेंट के द्वारा

निविदा सूचना संख्या एस/2017/06 **दिनांक 14.02.2017**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से भण्डार नियंत्रक, तृतीय तल, उ0प0रेलवे प्रधान कार्यालय, जवाहर सर्किल के पास, मालवीय नगर जयपुर-302017 निम्नलिखित मदों हेतु मोहरबंद खुली ई-निविदायें www.ireps.gov.in में सभी खुली ई-निविदायें 14.25 बजे बंद कर दी जायेगी।

क्र. सं.	निविदा सं.	अल्प विवरण	मात्रा	खुलने की तिथि
1	50168156	इलेक्ट्रिक पोइंट मशीन 143 एमएम	371 नग	10.03.2017
2	30172822	फलेप डोर अरेंजमेंट	288 नग	14.03.2017
3	80161025	ऑयल क्यद्रौलिक ग्रेड वीजी.68	40977 लीटर्स	14.03.2017
4	50161253	एलएमएल बैटरी 2वी/300 एएच	2000 नग	16.03.2017
5	50168180	रिले क्यूएन 1	11157 नग	16.03.2017

(1) इच्छुक निविदाकर्ता हमारी वेबसाईट पर सामग्री का पूरा विवरण/स्पेसिफिकेशन/बयाना राशि/निविदा फार्म का मूल्य और अन्य जानकारी देख सकते है। सभी निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि अपने डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करे तथा अपनी फर्म को उक्त साइट पर रजिस्ट्रर्ड करे। (2) 15 लाख से नीचे के विज्ञापित निविदा, सीमित निविदा, विशेष सीमित निविदा एवं कम मूल्य की निविदा में भाग लेनें के लिए/देखने के लिए कृपया हमारी वेबसाईट www.ireps.gov.in पर जायें। (3) कोई भी जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.nwr.indianrailways.gov.in पर देख सकते हैं। 130-AM/17

हमें f /NWRailways पर फॉलो करें

सूचना

कृपया आपके विज्ञापन व समाचार हमारे निम्न लिखित ई-मेल पर ही भेंजे :
alpaviram@gmail.com